



भारतीय
भाषाओं
में
रामकथा
—
असमिया
भाषा
भाग—2

सम्पादक
डॉ. अनुशब्द

भारतीय भाषाओं में रामकथा (असमिया भाषा) भाग—2

प्रधान सम्पादक

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

पूर्व प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

सम्पादक

डॉ. अनुशब्द

असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम

सह-सम्पादक

डॉ. चारु गोयल

असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

संरक्षक

श्री जितेन्द्र कुमार आई.ए.एस.

प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं अध्यक्ष, अयोध्या शोध संस्थान

श्री शिशिर पी.सी.एस.

निदेशक, संस्कृति एवं उपाध्यक्ष, अयोध्या शोध संस्थान

परिकल्पना

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

निदेशक, अयोध्या शोध संस्थान : तुलसी स्मारक भवन
अयोध्या, फैजाबाद (उ.प्र.)



वाणी प्रकाशन



वाणी प्रकाशन

4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110 002

फ़ोन : +91 11 23273167 फ़ैक्स : +91 11 23275710

शाखाएँ

अशोक राजपथ, पटना 800 004, बिहार

कॉफ़ी हाउस कैम्पस, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद 211 001, उत्तर प्रदेश

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा 442 001, महाराष्ट्र

सुल्तानिया रोड, मोतिया पार्क, भोपाल 462 001, मध्य प्रदेश

www.vaniprakashan.com

marketing@vaniprakashan.in

sales@vaniprakashan.in

In Association with



ESTD.-1986

Ayodhya Shodh Sansthan

presents

BHARTIYA BHASHAON MEIN RAMKATHA : ASAMIYA BHASHA-2

Chief Editor Dr. Yogendra Pratap Singh

Editor Dr. Anushabda

Co-Editor Dr. Charu Goel

Visualisation Dr. Yogendra Pratap Singh

ISBN : 978-93-89915-83-9

Religion/Culture

© अयोध्या शोध संस्थान

प्रथम संस्करण 2020

मूल्य : ₹ 495

इस पुस्तक के किसी भी अंश को किसी भी माध्यम में प्रयोग करने के लिए प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

सिटी प्रेस, दिल्ली-110 095 में मुद्रित

वाणी प्रकाशन का लोगो मक़बूल फ़िदा हुसैन की कृची से

अनुक्रम

माधव कन्दलि के 'सप्तकाण्ड रामायण' में चित्रित राम की भूमिका —बर्नाली बैश्य	11
श्रीमन्त शंकरदेव की रचनाओं में राम —चयनिका दत्त/परिस्मिता काकति	19
माजुली की मुखौटा कला में राम —डिम्पी दत्ता/बेबी विश्वकर्मा	25
माजुली की मुखौटा कला में राम —किरण कलिता/हिटलर सिंह	31
शंकरदेव के राम —पूजा बरुवा	36
वाड़ी लीबा कथा कला के माध्यम से मणिपुरी रामकथा —सरस्वती सिंघा	43
मणिपुर में रामभक्ति आन्दोलन —प्रो. ह. सुवदनी देवी	46
मिजो रामायण एवं मिजोरम के समाज का अन्तःसम्बन्ध : एक अनुशीलन —प्रो. दिनेश कुमार चौबे	52
कोकबोरोक-भाषी लोक में रामकथा —डॉ. मिलनरानी जमातिया	57
रामकाव्य की परम्परा और तुलसी के राम —प्रो. चन्दन कुमार	63
गुणों के समुच्चय : राम —प्रो. सूर्यकान्त त्रिपाठी	67
भोजपुरी लोकजीवन में राम —डॉ. सुनील कुमार तिवारी	73
पुरातन कथा को नवीन रंगों से उकेरने का प्रयास —डॉ. अनिता पी.एल.	82

रामलीला के विविध रूप	88
—डॉ. मीरा दास	
रामलीला और हिन्दी सिनेमा	98
—प्रो. प्रमोद मीणा/डॉ. चारु गोयल	
प्रवासी साहित्यकार राजेन्द्र अरुण के ललित साहित्य में रामकथा का व्यावहारिक पक्ष	113
—डॉ. अनुपमा तिवारी/प्रीति प्रकाश	
एशिया के विभिन्न देशों के साहित्य और जीवन में राम	117
—डॉ. अंजुबाला	
रामकाव्यों में 'शबरी' और उसकी प्रासंगिकता	124
—डॉ. अनुराधा कु. साहु/मोनमी गायन	
एशियाई जीवन, साहित्य एवं कला में राम	130
—डॉ. दिलीप शर्मा/प्रत्याशा कौशिक	
आधुनिक रामकाव्य का मानवीय पक्ष	135
—डॉ. शैलजा के.	
वाल्मीकि रामायण और तुलसी के मानस का तुलनात्मक अध्ययन	144
—छिद्दिकुर रहमान	
दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में राम की परिकल्पना	156
—जशोधरा बोरा	
वर्तमान परिदृश्य में रामकथा की प्रासंगिकता	165
—दिना चौहान	
राम के मानवीय मूल्यों, मर्यादा एवं आदर्श का भारतीय समाज पर प्रभाव	174
—अपराजिता राय	
एशिया के विभिन्न देशों में रामकथा	181
—चारु चौहान	
वर्तमान समय में राम की प्रासंगिकता : एक संक्षिप्त अवलोकन	186
—मनोज कुमार श्रीवास्तव	
रचनाकारों के पते	191